वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 227 | शुक्रवार 15 दिसम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जयरंगम के 5वें दिन दिखे कला-संस्कृति के विविध रंग

दास्तानगोई में मशहूर शायर और गीतकार साहिर लुधियानवी का सफरनामा किया बयां

जयपुर. कासं

जयपुर रंग महोत्सव के 5वें दिन कला प्रेमियों को कला एवं संस्कृति के विभिन्न रंग देखने को मिले। श्री एम डॉट बैंड थिएटर फैमिली सोसाइटी की ओर से कला एवं संस्कृति विभाग, राजस्थान और जवाहर कला केन्द्र, जयपुर के सहयोग से सात दिवसीय फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। गुरुवार को नाटक में जहां युवा पीढ़ी पर सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव का चित्रण किया गया, वहीं रंग संवाद पर नुक्कड़ नाटक पर चर्चा हुई। आवाज ग्रुप के म्यूजिकल कॉन्सर्ट में सुरीले गीतों पर लोग झूमते नजर आए तो दास्तानगोई में मशहूर शायर और गीतकार साहिर लुधियानवी के सफरनामा बयां किया गया। शुक्रवार की शाम महफिल-ए-जयरंगम के नाम रहेगी जिसमें प्रसिद्ध अभिनेता मकरंगद देशपांडे और मशहूर शायर राजेश रेड्डी के बीच चर्चा होगी और आह्वान प्रोजेक्ट के कलाकार कला प्रेमियों से रूबरू होंगे। शाम सात बजे मध्यवर्ती में महफिल का आयोजन होगा।

'नुक्कड़ नाटक संवाद का सर्वश्रेष्ठ माध्यम'

'नाटक केवल मनोरंजन नहीं है, इसमें उम्मीद की रोशनी झलकनी चाहिए साथ ही क्षमता होनी चाहिए समाज में बदलाव लाने की', अपने नुक्कड़ नाटकों के लिए देशभर में मशहूर वरिष्ठ रंगकर्मी अरविंद गौड़ ने रंग संवाद में यह बात कही। वे 'वाइस ऑफ स्ट्रीट' विषय पर चर्चा कर रहे थे। वरिष्ठ रंगकर्मी अभिषेक गोस्वामी ने उनके साथ मंच साझा किया। अरविंद गौड़ ने कहा कि बदलाव या क्रांति लाने के लिए संवाद जरूरी है और नुक्कड़ नाटक सर्वश्रेष्ठ माध्यम है। उन्होंने कहा कि भारत में दो ही लोगों से जनता सबसे ज्यादा प्रभावित होती है पहला नेता, दूसरा अभिनेता। इसलिए रंगकर्मियों को चाहिए कि वे अपने अभिनय कौशल का प्रयोग बदलाव लाने के लिए करे जो कुछ भी गलत हो नुक्कड़ में विरोधी स्वर उठाकर उसे सही करने का प्रयास करे। उन्होंने कहा कि नुक्कड़ नाटक में भावनाओं और समझदारी दोनों का समावेश होना चाहिए। नुक्कड़ नाटक की विशेषता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि नुक्कड़ सामूहिकता का प्रतीक है इसमें कोई एक व्यक्ति हीरो नहीं बनता है।

साहिर की जादुई दास्तान...

सर्द हवाओं से घिरी शाम में कला प्रेमियों ने जानी मशहूर शायर और गीतकार साहिर लुधियानवी की कहानी। डॉ. हिमांशु वाजपेयी और डॉ. प्रज्ञा शर्मा ने दास्तानगोई अंदाज में साहिर की जिंदगी से जुड़े पहलुओं को मंच पर बयां किया। यह शो दर्शकों को साहिर की जिंदगी के करीब ले गया। 'ताज तेरे लिए इक मजहर-ए-उल्फत ही सही, तुझ को इस वादी-ए-रंगीं से अकीदत ही सही', 'कभी-कभी मेरे दिल में ख्याल आता हैं कि जिंदगी तेरी जुल्फों कि नर्म छांव में गुजरने पाती तो शादाब हो भी सकती थी', साहिर से जुड़े किस्सों के साथ उनकी रूहानी नज्में भी दर्शकों को सुनने को मिली। दास्तान में एक समय ऐसा भी आया जब साहिर के मन में चल रहे द्वंद्व को कुछ यूं बयां किया गया, 'साहिर कामयाब थे पर उनके दिलों दिमाग पर एक बोझ जरूर था, वह अंत तक किसी मंजिल की तलाश में रहे, कामयाब होना ही सब कुछ नहीं है, जरूरी नहीं है कि आप कामयाब है तो अंदर की लड़ाई भी जीत चुके हैं।' साहिर की पहली शायरी की किताब तल्खियां के जिक्र से लेकर उनके जीवन के हर एक पन्ने का यहां शाब्दिक चित्रण किया गया।

आभासी दुनिया से बनाएं दूरी

कृष्णायन में मल्लिका शाह के निर्देशन में 'आई किल्ड माय मदर इट वाजन्ट माय फॉल्ट' नाटक के मंचन के साथ जयरंगम के दिन की शुरूआत हुई। यह कहानी है नौकरी से हाथ धो चुकी 25 वर्षीय युवती की। उसने अब मोबाइल पर समय गुजारना शुरू कर दिया है। सोशल मीडिया की आभासी दुनिया की चकाचौंध में वह घिर गयी है। औरों को खुश देखकर उसके मन में उदासी है। उसकी मां उसे सलीके से जीने और मोबाइल से दूरी बनाने की नसीहत देती है तो वह खफा होकर अपना फोन तोड़ देती है। जब वह रात को घूमने निकलती है तो उसके साथ अप्रिय घटना होती है। ऐसे में उसे अपनी मां की नसीहत याद आती है और उसे अपनी गलती का एहसास होता है। वर्तमान दौर में युवा पीढ़ी के साथ घट रही घटनाओं से अनुभव के बाद लिखी कविता को निर्देशिका ने नाटक के रूप में ढालकर पेश किया है जो दर्शाता है सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग से उपजी मानसिक स्थिति के प्रभाव को और जनरेशन गैप को।

डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने की सतीश पूनियां से मुलाकात

पूनियां बोले- दीया के नेतृत्व में कल्याणकारी योजनाओं से राजस्थान प्रगति के नए अध्याय लिखेगा

जयपुर. कासं। राजस्थान की मनोनीत उप-मुख्यमंत्री दीया कुमारी गुरुवार को जयपुर स्थित सतीश पूनियां के निवास स्थान पहुंची। जहां भाजपा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत अभिंदन किया। वहीं भगवान श्रीराम की मूर्ति भेंट कर दीया कुमारी के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। सतीश पूनियां ने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास और भरोसा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में भाजपा की डबल इंजन सरकार में उप-मुख्यमंत्री दीया कुमारी के कुशल नेतृत्व में किसानों, युवाओं और माता-बहनों के लिये कल्याणकारी योजनाओं से राजस्थान प्रगति का नया अध्याय लिखेगा और विकसित राजस्थान बनाने का संकल्प भी धरातल पर उतरेगा।

खाचरियावास में तीन दिवसीय भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव का दूसरा दिन

घटयात्रा,वेदी एवं शिखर शुद्धि संस्कार,यागमंडल विधान पूजन आदि धार्मिक कार्यक्रम आयोजित

आर्यिका नंदीश्वरमति माताजी के सानिध्य में हो रहा है तीन दिवसीय भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव कार्यक्रम

अर्पित जैन. शाबाश इंडिया

भैंसलाना। क्षेत्र के खाचरियावास में आर्यिका गुरुमां नंदीश्वरमति माताजी के सानिध्य में तीन दिवसीय भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन 13 से 15 दिसंबर तक आयोजित हो रहा है।गुरुवार को दूसरे दिन माताजी के सानिध्य और आर्यिका नंदीश्वरमति माताजी के संघस्थ ब्रह्मचारिणी डॉ करुणा दीदी,दीपा दीदी और पंडित प्रतिष्ठाचार्य डॉ सनतकुमार जैन और पंडित रमेशचंद्र शास्त्री जोबनेर के निर्देशन से घटयात्रा,वेदी एवं शिखर शुद्धि संस्कार,यागमंडल विधान पूजन और शाम को महाआरती और इंद्रसभा आदि धार्मिक कार्यक्रम आयोजित हुए।इस दौरान क्षेत्र के रेनवाल, दांता, सुरेरा,भादवा,मिंडा,मुरलीपुरा, हिंगोनिया, जोबनेर सहित क्षेत्र के अनेक गांव,शहरों से जैन समाज के सैकडो श्रद्धालु

शामिल हुए। इस दौरान सोधर्म इंद्र अशोक कुमार निर्मला देवी गंगवाल,धन कुबेर ताराचंद -कंचनदेवी बड़जात्या, यज्ञनायक मनोहरकुमार -विमलादेवी बड़जात्या, ईशानइंद्र अशोककुमार-पिंकीदेवी बड़जात्या, सानंतकुमार इंद्र कुन्दनमल -रविकांता बड़जात्या, माहेद्रइंद्र अजितकुमार- मंजुदेवी गंगवाल, बह्मइंद्र विजयकुमार बबिता बड़जात्या सहित अन्य इंद्र इंद्राणीयो ने भक्ति भाव से पूजन किया। इस अवसर पर अध्यक्ष प्रदीप गंगवाल,उपाध्यक्ष विजय गंगवाल,कोषाध्यक्ष मनोज बड़जात्या,मंत्री सुनील बड़जात्या,संजय सेठी,हेमंत सेठी,संजू बडजात्या,राजेश बड़जात्या आदि मौजूद रहें।

घटयात्रा में सैकडो श्रद्धालु उमड़े: वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव के दूसरे दिन गाजे बाजे के साथ विशाल घटयात्रा निकली।कस्बे के मुख्य मार्गो से नाचते गाते हुए घोड़ों और बग्गी के साथ सैकडो महिलाएं सिर पर कलश लेकर शोभायात्रा में शामिल हुई।

स्त्री पर्याय छेदन के लिए आर्यिका दीक्षा आवश्यक है: दीक्षार्थी मनू दीदी

विनोली यात्रा एवम गोद भराई कार्यमक्रम संपन्न

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरैना। स्त्री पर्याय का छेदन करने के लिए जैनेश्वरी आर्यिका दीक्षा लेकर संयम के पथ को स्वीकार करना आवश्यक है । मैं जब तक सांसारिक जीवन में रही तब तक मोह माया के भवर में भटकती रही। अब मैं अपना अंतिम समय जैनेश्वरी आर्यिका दीक्षा धारणकर आत्म कल्याण हेतु श्री जिनेंद्र प्रभु की शरण में व्यतीत करना चाहती हूं। मेरे से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जो भी गलती या अपराध हुआ हो उसके लिए मैं संसार के सभी जीवों से क्षमा चाहती हूं और मैं भी सभी को क्षमा करती हूं । उक्त विचार मुरेना की दीक्षार्थी बहिन मनू दीदी ने बड़ा जैन मंदिर मुरेना में विनोली यात्रा एवम गोद भराई के पावन अवसर पर उपस्थित बंधुओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। दिगंबर जैसवाल जैन उपरोंचिया समाज अजमेर के छीतरमल जैनो देवी जैन नायक परिवार में जन्मी मुरेना निवासी नत्थीलाल सुमतिचंद जैन घी बालों की पुत्रवधू श्रीमती मनू जैन 17 दिसम्बर को जैनाचार्य श्री वसुनंदी जी महाराज से जैन तीर्थ श्री जम्मुस्वामी तपोस्थली बोलखेड़ा कामा में जैनेश्वरी आर्यिका दीक्षा ग्रहण कर रहीं हैं। दीक्षा से पूर्व मनोज जैन अम्बाह बालों के निज निवास से दीक्षार्थी मनू जैन की भव्य विनोली शोभा यात्रा निकाली गई। मनू दीदी को हार मुकुट से सुसज्जित कर घोड़ा बग्घी में विराजमान किया गया । गाजे बाजे के साथ भव्य विनोली यात्रा प्रमुख मार्गों से भ्रमण करती हुई बड़ा जैन मंदिर मुरेना पहुंची। मंदिर जी में सर्वप्रथम त्यागी व्रतियों ने पंच मेवा से दीक्षार्थी की गोद भराई की। तत्पश्चात परिवारिजनो, रिश्तेदारों एवम उपस्थित साधर्मी बंधुओं ने गोद भराई करते हुए दीक्षार्थी के पुण्य की अनुमोदना की। इससे पूर्व दोपहर में पारसकुमार गर्विश जैन के निवास जीवाजी गंज में गोद भराई की गई। बड़े जैन मंदिर में गोद भराई सभा में अनीता दीदी, मंजुला दीदी, महेंद्र शास्त्री, नवनीत शास्त्री, राजेंद्र भंडारी, धर्मेंद्र जैन एडवोकेट, गैदालाल जैन, मुन्नी साहुला, मधु जैन ने आर्यिका दीक्षा एवम मनू दीदी के संदर्भ में प्रकाश डाला। महेशचंद्र बंगाली ने सभी का आभार व्यक्त किया।

श्रीराधा सरल बिहारी मंदिर में श्रीमद भागवत कथा का छठा दिन

ज्ञान का सम्बर्धन करती है मथुरा लीला: मृदुल कृष्ण

जयपुर. शाबाश इंडिया

टोंक रोड,बीलवा, मानपुर नांगल्या स्थित श्री राधा सरल बिहारी मंदिर में चल रहे श्रीमद भागवत कथा ज्ञानयज्ञ छठवें दिन गुरुवार को भागवत कथा में परम श्रद्धेय आचार्य गोस्वामी श्री मृदुल कृष्ण जी महाराज जी ने कहा कि प्रभु श्री कृष्ण की मथुरा लीला जीव के हृदयान्धकार को नष्ट कर ज्ञान का विकास करती है। जिस ज्ञान के माध्यम से जीव पूर्ण ब्रम्हा श्रीकृष्ण से साक्षात्कार करता है। मथुरा लीला प्रसंग का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि परमात्मा श्रीकृष्ण ने अपनी मथुरा लीला ने में अज्ञान रूपी कंस का उद्धार कर ज्ञान का सम्बर्धन किया। यहाँ तक कि साक्षात बृहस्पति के शिष्य उद्धव जी के ज्ञान को प्रभु ने गोपियों के द्वारा भक्ति का चादर उड़ाकर परिपूर्ण किया। स्वयं परमात्मा श्रीकृष्ण ने अपनी मथुरा लीला में ही गुरू सान्दीपनि के सान्निध्य में चौसठ दिनों तक रहकर ज्ञान प्राप्त किया। अतः प्रभु की मथुरा लीला श्रवण करने मात्र से भक्त के हृदय में ज्ञान का उदय होता है। उन्होंने बताया कि यदि विद्यार्थी अपने अध्ययन काल में यदि प्रभु की मथुरा लीला को श्रवण करता है तो निश्चित रूप से विद्या के क्षेत्र में उसे अभूतपूर्व सफलता प्राप्त होती है। विशेष महोत्सव के रूप में श्री रूक्मिणी विवाह महोत्सव बहुत ही धूम-धाम से मनाया गया। इस प्रसंग पर विस्तार से व्याख्यान देते हुए आचार्य श्री ने कहा कि श्री रूक्मिणी जी ने अपने जीवन में किए हुए सत्कार का फल केवल प्रभु को ही माँगा। जिसको कि प्रभु श्री द्वारिकाधीश ने स्वयं रूक्मिणी के कुणिनपुर जाकर रूक्मिणी को प्रधान पटरानी बनाकर पूर्ण किया। यह पवित्र प्रसंग हम सबको शिक्षा प्रदान करता है हमें जीवन में किये हुए सत्कार के फल के रूप में प्रभु की ही आचना करनी चाहिए। आयोजक सरला गुप्ता,रजनीश गुप्ता व दीपिका गुप्ता ने बताया कि उन्होंने महोत्सव के अंतिम दिन शुक्रवार को को श्रीनवयोगेश्वर संवाद, द्वादश स्कंध के बाद कथा की पूणार्हुति होगी। कथा रोजाना सुबह 10 बजे दोपहर 2 बजे तक होगी। इस मौके पर में फूल होली महोत्सव मनाया जाएगा।

वेद ज्ञान

दुःख के कई कारण

दुख को जीवन का शाश्वत सत्य बताया गया है। सवाल यह है कि दुख का निवारण कैसे हो? इसकी खोज में अनंत काल से मनीषियों ने अपना जीवन अर्पित किया और पाया कि दुख का कारण है और इसका निवारण भी है। दुख के कई कारण हैं। सबसे बड़ा कारण है चाह, इच्छा या कामना। चाह का न होना और अनचाहे का हो जाना दुख का मूल कारण है। हम जन्म से ही कुछ न कुछ चाहते हैं और चाह की पूर्ति न होने पर हम दुखी होते हैं। दुख का दूसरा कारण है, हमारा शरीर जो रोगों का भंडार है। शरीर के धारण करते ही रोग व पीड़ा का जन्म हो जाता है। कई बच्चे तो जन्मते ही रोग के शिकार हो जाते हैं। कई रोगों पर तो नियंत्रण हो चुका है, परंतु अभी अनेक रोग लाइलाज हैं। वृद्धावस्था में कुछ ज्यादा ही रोग उत्पन्न होते हैं। रोग से उत्पन्न पीड़ा व रोग के उपचार के खर्च से रोगी और परिजन दोनों दुखी रहते हैं। चाह का बदला रूप है आकांक्षा। हम जीवन में ऊंचा पद, यश और कीर्ति चाहते हैं। आकांक्षा प्रगति या विकास की जननी है, परंतु दुख का मूल भी है। आकांक्षा अपने आप में बुरी नहीं है, परंतु जब यह ममत्व व संग्रह की प्रवृत्ति से जुड़ जाती है तो यह न केवल स्वयं के लिए दुख का कारण बनती है, बल्कि पूरे समाज में विग्रह और विषमता का कारण भी बनती है। आकांक्षा जन्म देती है अहं और लोभ को। अहं से पैदा होता है क्रोध और संघर्ष। विजयी बनने की आकांक्षा उचित-अनुचित की सीमा समाप्त कर देती है। संघर्ष जब हिंसात्मक हो जाता है तब मूक वर्ग (जिसमें गरीब समाज भी शामिल है) हिंसा के शिकार बनते हैं, भोग-उपभोग के साधन बनते हैं, शासित व दमित होते हैं। सामाजिक व आर्थिक व्यवस्था का आधार शोषण होने से व्यक्ति चाहकर भी शोषण के जाल से मुक्त नहीं हो पाता। जिनका साधनों पर कब्जा है, उन्हें रोटी, कपड़ा, मकान की चिंता नहीं है, परंतु मजदूर और साधनहीन को तो सुबह होते ही मजदूरी पर जाना है। साधनों की प्रचुरता के बावजूद अनेक लोग सुखी महसूस न करने पर आनंद की खोज में अन्यत्र भटकते हैं।

संपादकीय

अवैध प्रवासियों के आंकड़े जुटाना संभव नहीं

देश के विभिन्न इलाकों में रह रहे प्रवासियों की समस्या किस कदर गहरा चुकी है, इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि आज केंद्र सरकार के सामने उनके सही आंकड़े जुटाना मुश्किल हो चुका है। यह एक तरह से शुरूआती दौर में किसी समस्या की अनदेखी से उपजी हुई मुश्किल है, जो आज जटिल शक्ल अख्तियार कर चुकी है। सोमवार को केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर बताया कि देश के विभिन्न हिस्सों में रह रहे अवैध प्रवासियों के आंकड़े जुटाना संभव नहीं है। इसलिए कि बहुत सारे लोग चोरी-छिपे देश की सीमा में दाखिल होते हैं। गौरतलब है कि सर्वोच्च न्यायालय नागरिकता कानून की धारा 6ए की वैधता पर सुनवाई कर रहा है, जो असम में अवैध प्रवासियों से संबंधित है। हाल ही में अदालत ने केंद्र सरकार से इससे संबंधित आंकड़े मांगे थे कि देश में एक जनवरी 1966 से लेकर 25 मार्च 1971 तक कितने बांग्लादेशी नागरिकों को असम में भारतीय नागरिकता

प्रदान की गई। साथ ही अवैध घुसपैठ रोकने के लिए अदालत ने सरकार की ओर से उठाए गए कदमों के बारे में भी पूछा था। शीर्ष अदालत की इस मसले पर केंद्र सरकार से स्थिति स्पष्ट करने की मांग के पीछे अवैध प्रवासियों की नागरिकता से लेकर उनकी वजह से पैदा होने वाली अन्य समस्याओं पर उठते सवालों का हल निकालने की कोशिश है। मगर अदालत को दिए गए केंद्र सरकार के जवाब से इस समस्या की जटिलता का अंदाजा लगता है। सवाल है कि लंबे समय से देश के भीतर अलग-अलग इलाकों में उनकी पहचान तय कर पाने और उनके आंकड़े जुटाने में इस स्तर की समस्या क्यों खड़ी हुई है! आए दिन अन्य देशों से लगती सीमा को सुरक्षित करने के लिए व्यापक धनराशि खर्च करने और हर स्तर पर उपाय करने के दावे के बीच यह कैसे मुमकिन हो पाता है कि कुछ लोग गुप्त तरीके से भारतीय सीमा में न केवल दाखिल हो जाते, बल्कि अपनी पहचान छिपा कर यहां की आबादी में घुलमिल जाते हैं? ऐसा नहीं है कि भारत में अवैध घुसपैठ के जरिए आने वाले पड़ोसी देशों के लोगों से उपजी समस्या नई है। भारत के पड़ोसी बांग्लादेश से अवैध तरीके से आए प्रवासी पिछले कई दशक से चिंता का कारण रहे हैं और कई बार इसने राजनीतिक मुद्दे की शक्ल भी अख्तियार की। यही नहीं, इस वजह से उपजे हिंसक टकराव में सैकड़ों लोगों की हत्या हो चुकी है। असल में शरणार्थियों से जुड़े मानवाधिकारों के पहलू भी कई बार सरकारों को ज्यादा सख्त होने से रोकते रहे हैं। कभी-कभार पड़ोसी देशों की ओर से देश में घुस आए लोगों को इक्का-दुक्का मामला मान कर नजरअंदाज कर दिया जाता है। मगर सच यह है कि वही अनदेखी बाद में एक जटिल रूप ले लेती है, जब उसकी वजह से कई तरह की मुश्किलें खड़ी होने लगती हैं। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि भारत में अवैध घुसपैठ और प्रवासियों की वजह से कई स्थितियों में आंतरिक सुरक्षा पर भी गंभीर प्रभाव डालता है। अदालत को दिए गए जवाब में अब केंद्र सरकार ने यह भी कहा है कि अवैध घुसपैठ को रोकने के मकसद से सीमा पर बाड़ लगाई जा रही है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

नए बदलाव...

राजस्थान में मुख्यमंत्री का नाम घोषित होने के साथ ही कयासों का सिलसिला थम गया है। अनुमान लगाए जा रहे थे कि वरिष्ठ नेताओं में से किसी को कमान सौंपी जाएगी, मगर हुआ इसके ठीक उलट। पहली बार विधायक चुने गए भजन लाल शर्मा वहां के मुख्यमंत्री होंगे। ऐसे ही चौंकाने वाले निर्णय मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी लिए गए। मध्यप्रदेश में कई नामों को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं। भाजपा की विजय के पीछे शिवराज सिंह चौहान के कामकाज और योजनाओं का बड़ा हाथ माना जा रहा था। केंद्र से मंत्री पद छोड़ कर गए नेताओं में से किसी को पुरस्कृत करने की भी चर्चा चल रही थी। मगर वहां मोहन यादव को सूबे की जिम्मेदारी सौंप कर भाजपा ने सबको चौंका दिया। छत्तीसगढ़ में हालांकि विष्णुदेव साय को मुख्यमंत्री पद की दौड़ में शामिल माना जा रहा था, इसलिए उनके चुनाव पर लोगों को उतनी हैरानी नहीं हुई। मगर राजस्थान और मध्यप्रदेश की कमान बिल्कुल अल्पज्ञात नेताओं को सौंप कर भाजपा नेतृत्व ने लोगों को विस्मित कर दिया। हालांकि इससे पहले भी गुजरात, उत्तराखंड, हरियाणा आदि राज्यों में भाजपा इसी तरह के साहसिक और चौंकाने वाले फैसले कर चुकी है। इसकी कुछ वजहें स्पष्ट हैं। आमतौर पर राजनीतिक दल नेताओं की वरिष्ठता और अनुभव आदि को ध्यान में रख कर मुख्यमंत्री, मंत्री और अन्य पदों पर उनकी नियुक्तियों का फैसला करते हैं। मगर भाजपा इस फार्मूले पर नहीं चलती। उसके लिए संगठन सर्वोपरि है। जो संगठन के लिए निष्ठावान कार्यकर्ता की तरह काम करता है, उसे पुरस्कृत किया जाता है। संगठन में खेमेबंदी करने वालों को प्रायः किनारे कर दिया जाता है। इसी का दंड शायद शिवराज सिंह चौहान और वसुंधरा राजे को भुगतना पड़ा है। राजस्थान में वसुंधरा राजे ने मान लिया था कि उनकी अगुआई के बिना भाजपा का चुनाव जीतना मुश्किल होगा। फिर केंद्रीय नेतृत्व के साथ उनके रिश्ते भी मधुर नहीं थे। मगर जब राजस्थान में भाजपा चुनाव जीत गई, तो उन्होंने अपने खेमे के नेताओं की लामबंदी शुरू कर दी और इस तरह दबाव बनाने का प्रयास किया कि मुख्यमंत्री का पद उन्हें ही मिलना चाहिए। मगर भाजपा ने भजन लाल शर्मा को आगे करके स्पष्ट संदेश दे दिया है कि खेमेबंदी करने वालों की संगठन में कोई अहमियत नहीं है। मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह चौहान के बारे में भी यही माना जा रहा था कि वहां उनका कोई विकल्प नहीं हो सकता। छत्तीसगढ़ में रमन सिंह अपने पुराने कार्यकाल के दागों से मुक्त नहीं थे, इसलिए उनकी दावेदारी वहां थी ही नहीं। भाजपा ने इन तीनों राज्यों में बिना किसी मुख्यमंत्री के चेहरे के चुनाव लड़ा था। मध्यप्रदेश में जरूर उसकी सरकार थी, मगर शिवराज सिंह चौहान को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित नहीं किया था। इस तरह पहले से तय था कि वहां नेतृत्व परिवर्तन होगा। नए चेहरे को आगे करने का फायदा यह भी मिलता है कि पहले के नेतृत्व के साथ जो कुछ अनियमितताएं, खराब नीतियां और फैसले जुड़े होते हैं, वे हाशिये पर चली जाती हैं। लोग नए चेहरे से नई उम्मीदें पालना शुरू कर देते हैं। इस तरह पुराने दाग-धब्बे धुंधले पड़ जाते हैं। उत्तराखंड और गुजरात में नेतृत्व परिवर्तन कर भाजपा ने इसका लाभ उठाया भी है। फिर सबसे बड़ी बात कि इस तरह भाजपा दूसरे राजनीतिक दलों से खुद को अलग खड़ी कर पाती है कि उसमें किसी भी नेता को नेतृत्व सौंपा जा सकता है, वरिष्ठता, लोकप्रियता या पार्टी नेताओं में पकड़ कोई पैमाना नहीं।

महावीर पब्लिक स्कूल में वार्षिक खेल दिवस का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

14 दिसंबर गुरुवार को महावीर पब्लिक स्कूल सी- स्कीम, जयपुर के क्रीड़ा- प्रांगण में ''**वार्षिक-खेल- दिवस**'' का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। सर्वप्रथम एनसीसी कैडेट्स द्वारा मुख्य अतिथि स्वामी बालमुकुंद आचार्य जी महाराज एम.एल.ए. हवामहल, जयपुर एवं श्रीमती निर्मलेश माथुर अंतरराष्ट्रीय कबड्डी प्लेयर का विद्यालय के क्रीड़ा-प्रांगण में पदार्पण करने पर छात्राओं द्वारा तिलक लगाकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात विद्यालय के अध्यक्ष उमराव मल संघी, उपाध्यक्ष मुकुल कटारिया, मानद् मंत्री सुनील बख्शी, सह-सचिव कमल बाबू जैन, कोषाध्यक्ष महेश काला संयोजक सुदीप ठोलिया,पद्मावती स्कूल के संयोजक राजेंद्र बिलाला, विनोद कोटखावदा, मनीष बैद, मुकेश सोगानी तथा अन्य कार्यकारिणी सदस्यों, महावीर पब्लिक स्कूल की प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन द्वारा पुष्प गुच्छ भेंट करके मुख्य अतिथि का स्वागत किया गया।कार्यकारिणी सदस्यों सहित मुख्य अतिथि द्वारा झंडारोहण के साथ ही विद्यार्थियों द्वारा मार्च पास्ट किया गया। प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन द्वारा स्वागत-उद्बोधन किया गया। राज्य स्तरीय एथलेटिक्स खिलाड़ी रौनक बगड़िया, हर्षित चौधरी, तरुष नामा, तनिष्क जैन, समीर यादव, विवान दोसाया, मेहुल गुप्ता व राष्ट्रस्तरीय एथलेटिक्स खिलाड़ी राहुल चौधरी द्वारा मशाल ज्योति लेकर पूरे मैदान का चक्कर लगाया गया। मुख्य अतिथि ने उन्मुक्त गगन में रंग-बिरंगे गुब्बारे उड़ा कर स्पोर्ट्स मीट आरंभ करने की घोषणा की। स्पोर्ट्स हैड गर्ल समृद्धि जैन द्वारा सभी प्रतिभागियों को पूरी निष्ठा व ईमानदारी से खेल के नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई गई। मानद् मंत्री सुनील बख्शी ने विद्यालय की खेल उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महावीर स्कूल शैक्षिक व सहशैक्षिक गतिविधियों में हमेशा अव्वल रहा है और रहेगा। विद्यार्थियों ने मास पी.टी.ड्रील, योगा व एरोबिक्स के माध्यम से व्यायाम का जीवन में महत्व समझाया। अध्यक्ष उमराव मल संघी द्वारा सभी प्रतिभागियों को प्रतियोगिता में विजयी होने का आशीर्वाद दिया गया। इस अवसर पर खेल भावना व ऊर्जा से युक्त प्राथमिक स्तर के नन्हे प्रतिभागियों ने फ्लावर रेस, लेमन एण्ड स्पून रेस, मटका रेस, रिंग रेस व स्किपिंग रेस द्वारा बेहतरीन प्रदर्शन किया। माध्यमिक व उच्च स्तर के प्रतिभागियों ने अपनी पूरी ऊर्जा व शक्ति के साथ हर्डल रेस, बॉल रिले रेस,रिले रन रेस आदि दौड़ प्रतियोगिताओं में भाग लिया। अभिभावकों ने भी ब्रिक रेस व फन रेस का आनंद लिया।मुख्य अतिथि, प्रबंध समिति के सदस्यों व प्राचार्या द्वारा स्पोर्ट्स डे के विजेताओं को मेडल व प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि स्वामी बाल मुकुंद आचार्य जी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह हमारे देश का अमृत काल चल रहा है और अमृत काल के लिए स्वस्थ शरीर का होना अत्यधिक आवश्यक है अतः अपने सर्वांगीण विकास हेतु खेलों को जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाएं। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान द्वारा हुआ।

भागचन्द सैनी विधायक बांदीकुई एवं सुरेश जैन बांदीकुई सपरिवार परम पूज्यनीय उपाध्याय उर्जयंत सागर जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त करते हुए।

ऐलनाबाद न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं के चेम्बर्स का शिलान्यास

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। आज स्थानीय न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं के लिए बनने वाले चेम्बर्स का समाजसेवी कप्तान मीनू बैनीवाल ने शिलान्यास किया। इस दौरान अधिवक्ताओं के लिए बनने वाले चेम्बर्स के लिए एक कार्यक्रम बार एसोसिएशन ऐलनाबाद द्वारा आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में समाजसेवी कप्तान मीनू बैनीवाल ने मुख्य अतिथि के रुप में शिरकत की और बार एसोसिएशन के अध्यक्ष बलराज सिंह खोसा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष ओ पी बालान, सचिव वीरेन्द्र सिंह भादू , सह सचिव शांति मेहता, कोषाध्यक्ष भारत शर्मा, जगतार सिंह रंधावा, अजायब सिंह बराड़, के वी सहू , राकेश बब्बर, गुरमीत सिंह वड़ैच, मनोज पोपली, दीपक मलिक, आनन्द गोयल, सतीश अरोड़ा, राजकुमार खत्री सहित समस्त अधिवक्ता उपस्थित थे। न्यायालय परिसर में पहुंचते ही सबसे पहले बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों व समस्त सदस्यों ने कप्तान बैनीवाल का स्वागत किया और इसके बाद कप्तान बैनीवाल ने न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं के चेम्बर्स का शिलान्यास किया। चेम्बर्स का शिलान्यास होने के बाद बार एसोसिएशन ने कप्तान बैनीवाल के सम्मान में बार रुम में जलपान आयोजित किया। कार्यक्रम में बार एसोसिएशन की तरफ से बार एसोसिएशन के सभी पदाधिकारियों व सदस्यों ने मुख्य अतिथि कप्तान मीनू बैनीवाल को एक स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

प्रकृति मनुष्य की सहचरी : गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी में ससंघ विराजमान भारत गौरव गणिनी आर्यिका रत्न विज्ञाश्री माताजी ने निवाई , चाकसू , जयपुर , बडानयागांव से आये हुए सभी भक्तों को धर्मोपदेश देते हुए कहा कि - प्रकृति मनुष्य की सहचरी है'। जबसे मनुष्य का अस्तित्व इस पृथ्वी पर उत्पन्न हुआ है प्रकृति ने सहचरी की भांति उसका साथ निभाया है। उसने मनुष्य की हर सुख-सुविधा का ख्याल रखा है और उसके अस्तित्व को पृथ्वी पर पनपने के लिए सभी साधन दिए हैं। प्रकृति के सानिध्य में रहकर ही मनुष्य सभ्य बना है तथा ज्ञान प्राप्त किया है। आज वह चाँद तक जा पहुँचा है। अत्याधुनिक साधन उसके पास उपलब्ध हैं। उसके पास जो छोटी से लेकर बड़ी वस्तु है, वे प्रकृति की देन हैं। मनुष्य का अपना कुछ भी नहीं है। उसने जो पाया है, वह इसी प्रकृति रूपी सहचरी से पाया है। आरंभ में पूरी पृथ्वी पर प्रकृति का साम्राज्य था।

अंतराष्ट्रीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन 24 दिसंबर को दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के तत्वावधान में

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के तत्वावधान मे जैन युवक युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन आगामी 24 दिसंबर 2023 को होगा। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फ़ेडरेशन द्वारा सकल जैन समाज के लिए अंतराष्ट्रीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन का प्रथम आयोजन इंदौर में पुखराज पेलेस फुटी कोटी पर किया जा रहा है। फेडरेशन के मिडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने बताया की 1100 इन्ट्री अभी तक प्राप्त हो गई है फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश विनायका, कार्याध्यक्ष यशकमल अजमेरा, शिरोमणि संरक्षक श्रीमती पुष्पा कासलीवाल, संजय पापडीवाल, प्रदीप गंगवाल ने कहा कि समस्त सोशल ग्रुप एवं सभी रिजन ग्रुप पदाधिकारीयों के सहयोग से ही यह परिचय सम्मेलन सफल होगा। इस हेतु परिचय सम्मेलन की पूरी टीम कड़ी मेहनत से दिन रात लगीं हुईं हैं राजेश जैन दद्दू ने कहा कि इन प्रविष्टियों में सोशल ग्रुप के पदाधिकारियों द्वारा स्वयं के बेटे / बेटी /नातिन / दोयते के फार्म आये है। जैसे जे.के.जैन साहब कोटा, महेन्द्र बाकलीवाल देवास, उमेश अजमेरा कोटा, विनय जबलपुर, आशीष सुतवाले इंदौर, आज़ाद जैन जबलपुर द्वारा परिवार के विवाह योग्य बच्चों के फॉर्म भरे जिसकी प्रविष्टियों की संख्या लगभग 1000 है। हमें प्राप्त हुई इन प्रविष्टियों में अप्रवासी भारतीय (N.R.I), एम.टेक. (M.tech), मेकेनिकल इंजीनियर (M. E.) प्रोफेशनल्स,डॉक्टर्स (M.B.B.S ,M.D.) चार्टेड एकाउंटेंट्स,इंडस्ट्रियलिस्ट, व्यवसायी एवम अन्य प्रोफेशनल्स बच्चों के बॉयोडाटा प्राप्त हुए हैं।

> दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फ़ेडरेशन द्वारा सकल जैन समाज के लिए अंतराष्ट्रीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन का प्रथम आयोजन इंदौर में पुखराज पेलेस फुटी कोटी पर किया जा रहा है।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप नवकार के कार्यकारिणी सदस्यों की मीटिंग संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप नवकार के कार्यकारिणी सदस्यों की मीटिंग मालवीय नगर में आयोजित की गई। नवाकर ग्रुप के अध्यक्ष मोहनलाल गंगवाल ने बताया कि 14 दिसम्बर को दिगंबर जैन सोशल ग्रुप नवकार के कार्यकारिणी सदस्यों की मीटिंग मालविया नगर में शांतिनाथ मंदिर प्रांगण में आयोजित की गई। मीटिंग में संस्थापक अध्यक्ष नवीन सेन जैन द्वारा आगामी वर्ष के लिए रजिस्ट्रेशन/नवीनीकरण शुल्क, विदेश यात्रा, स्थानीय यात्रा हेतु प्रकाश डाला गया। सचिव गिरीश कुमार जैन द्वारा सभी सदस्यों का अभिवादन किया गया एवं सभी सदस्यों से लंच हेतु निवेदन किया गया।

आहार जी मे वार्षिक मेला एवं महामस्तकाभिषेक का किया जायेगा भव्य आयोजन

टीकमगढ़. शाबाश इंडिया। अनेकों अतिशय एवं सिद्धक्षेत्रो से सुशोभित बुंदेलखण्ड भूमि पर नैसर्गिक मदनकुमार एवं विश्कंवल केवली की निर्वाण भूमि श्री 1008 दिगम्वर जैन सिद्धक्षेत्र आहार जी (टीकमगढ़) आगामी 24 दिसंबर से 26 दिसंबर 2023 तक वार्षिक मेला एवं श्री 1008 भगवान बाहुबली का महामस्तकाभिषेक विगत वर्षों की भांति इस बार अनेक धार्मिक, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ आयोजित किया जायेगा। प्रबंध कार्यकारिणी एवं ट्रस्ट समिति के उपाध्यक्ष दिनेश जैन 'शिक्षक' द्वारा क्षेत्र के अतिशय पर प्रकाश डालते हुये बताया गया यहां पांडाशाह नामक प्रसिद्ध श्रेष्ठी प्रवर के रांगा से चांदी हो जाने का अतिशय अति प्रसिद्ध है। यहां टांडा ठहरा हुआ था वह रांगा से चांदी हो गई थी, वह स्थान अभी भी तांडे खंधा नाम से विख्यात है।मासोपवासी मुनिराज का यक्षणीकृत उपसर्ग दूर होकर उनका निरंतराय आहार होने के कारण यह क्षेत्र आहार नाम से विख्यात हुआ है। पूर्व मे यहां के शासक मदनवर्मन देव होने से उन्ही के नाम से मदन सरोवर वर्तमान में स्थित है। यहां अनेको लोग भगवान शांतिनाथ की प्रतिमा के समक्ष अपनी अपनी मनोकामनाये लेकर आते है और मनोवांछित फल प्राप्त होने पर अपना संकल्प पूर्ण कर धन्य होते है।

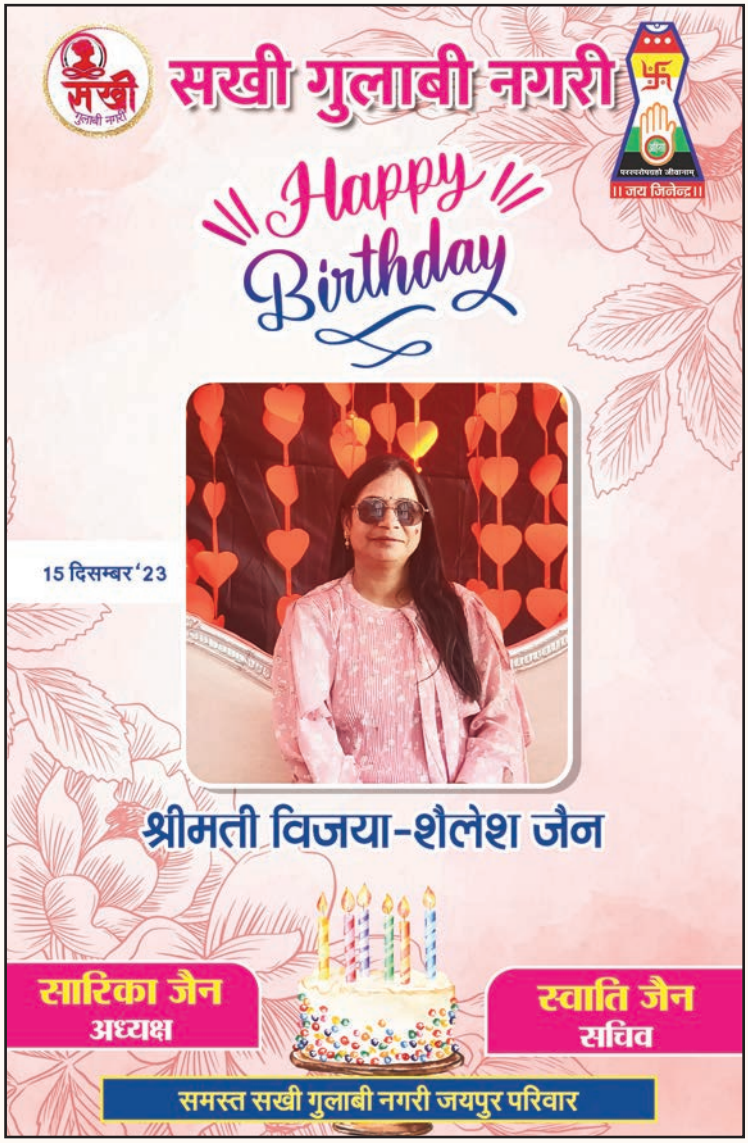

सम्मेद शिखर जी यात्रा 24 दिसंबर को होगी रवाना

तीर्थ यात्रा फोल्डर व निर्देशिका का विमोचन 17 को जैन भवन में

सीकर. शाबाश इंडिया। जैन समाज सीकर की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से सामाजिक संस्था ''जय जिनेंद्र ग्रुप सीकर'' अपनी 9वीं विशाल तीर्थयात्रा सर्वोच्च जैन तीर्थ स्थल श्री सम्मेद शिखर जी हेतु सीकर से 24 दिसंबर को प्रस्थान करेगी। तीर्थयात्रा के मुख्य पुण्यार्जक अनुभव सेठी, पदम पिराका व प्रदीप काला लालास ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति जय जिनेंद्र ग्रुप इस वर्ष भी समाज के भामाशाहों के सहयोग से श्री सम्मेद शिखर जी व झारखंड के मुख्य तीर्थ स्थलों की 10 दिवसीय तीर्थ यात्रा का आयोजन कर रहा हैं । जिसमें सीकर, गुवाहाटी, सूरत, रानोली, दांता, रामगढ़, पलाड़ा, कुचामन, कुकनवाली, अड़कसर, सुरेरा, श्यामगढ़ 26 स्थान के जैन धमावलंबी सम्मिलित होंगे ।समाज के महेश बाकलीवाल , पवन छाबड़ा राणोली, संजय संगही व शशि दीवान ने बताया कि इस वर्ष यात्रा की कार्यशैली व समस्त प्रभार प्रदान करने हेतु 17 दिसंबर रविवार को जैन भवन सीकर में समस्त तीर्थ यात्रियों की एक आवश्यक मीटिंग आयोजित की जाएगी , जिसमें यात्रा पुण्यार्जक परिवारों द्वारा तीर्थयात्रा फोल्डर व यात्रा निर्देशिका का भव्य विमोचन किया जाएगा । जैन समाज के प्रवक्ता विवेक पाटोदी ने बताया कि श्री सम्मेद शिखर जी जैन धर्मावलंबियों का सर्वोच्च पावन स्थली है , यहां से 20 तीर्थंकर व असंख्य मुनि मोक्ष पधारे हैं । जैन शास्त्रों के अनुसार इस पावन भूमि के दर्शन मात्र से ही मनुष्य को किसी भी भव में पशु गति प्राप्त नहीं होती है । शिखर जी के साथ ही अन्य तीर्थ स्थल भी मुख्य तौर पर पहाड़ों की गोद में बसे हुऐ है । इस यात्रा में भगवान महावीर व भगवान वासुपुज्य की निर्वाण स्थली के दर्शन मुख्यतः सम्मिलित हैं। सोशल मीडिया प्रसार सहयोगी वीरध्वनी डिजिटल होगा।

श्री चेतन-डॉक्टर अनामिका पापड़ीवाल

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के सयुक्त सचिव

की वैवाहिक वर्षगांठ

(15 दिसंबर) पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: राकेश-समता गोदिका,

संरक्षक: सुरेंद्र - मृदुला पांड्या, दर्शन - विनीता जैन, **परामर्शक:** दिनेश-संगीता गंगवाल

कार्याध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या, **सचिव:** अनिल - निशा संघी, **कोषाध्यक्ष:** अनिल - अनिता जैन

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति त्रिशला संभाग की रेवासा की धार्मिक यात्रा संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति त्रिशला संभाग दुर्गापुरा कि सदस्यों ने सीकर एवम रेवासा के मंदिरों के दर्शन किए। अध्यक्ष चंदा सेठी एवम मंत्री रेणु पांड्या ने बताया कि इस धार्मिक यात्रा में 45 सदस्यों ने धर्म लाभ लिया। संभाग की कोषाध्यक्ष सीमा सेठी उपाध्यक्ष शांति मणी

महिला प्रकोष्ठ मंत्री रानी सोगानी मनोनीत सदस्यों सुनीता पांड्या सीमा बाकलीवाल एवम रेखा लुहाड़िया भी उपस्थित थी। रेवासा वात्सलय धाम के ट्रस्टी आशीष जैन ने बताया कि आचार्य वधार्मान सागर जी कि प्रेरणा से वात्सल्य धाम कि शुरूआत हुई। आज उसमे 30 असहाय बालको के लिए वहाँ पर निशुल्क सभी तरह कि व्यवस्था है और जैन धर्म के संस्कार के साथ लौकिक शिक्षा भी दी जा रही है। संभाग की तरफ से सहयोग राशि रुपए 31000 के दिये गए और यह आश्वासन दिया कि आगे भी समय समय पर इसे सहयोग देते रहेंगे ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका

@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

shabaasindia@gmail.com

weeklyshabaas@gmail.com

जेएसजी राजधानी ने गौशाला में किया चारा वितरण

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप राजधानी द्वारा सामाजिक कार्यक्रम के अंतर्गत दूदू स्थित सुधा सागर गौशाला में गौ वंश के लिए चारे का वितरण किया। ग्रुप अध्यक्ष प्रकाश-लीला अजमेरा ने बताया कि ग्रुप कार्यकारणी सदस्य मनोज-मनीषा सोगानी ने सुधा सागर गौ शाला के अध्यक्ष धनेश मालानी का स्वागत किया। धनेश मालानी ने भी ग्रुप के अध्यक्ष प्रकाश लीला अजमेरा एवम सभी सदस्यों का तिलक और माला पहनाकर कर स्वागत किया। इस अवसर पर अल्पाहार भी कराया। दूदू गौशाला के अध्यक्ष धनेश मालानी ने सभी सदस्यों को गौशाला का भ्रमण कराकर संपूर्ण जानकारी से अवगत करवाया। संस्थापक अध्यक्ष सुनील आरती पहाड़िया ने बताया कि सभी सदस्यों ने सुधा सागर गौशाला में करीब 450 गौ वंश को गुड़ , चारा खिलाकर धर्म लाभ लिया। सचिव पवन - रीटा पाटनी ने बताया कि सभी सदस्यों ने दूदू के पारसनाथ दिगंबर जैन नृसिया जी में दर्शन एवम आरती की।

जयपुर में पहली बार श्रीजी महाराज की भागवत कथा 16 से

पोस्टर का हुआ विमोचन, श्री गोविंद देवजी मंदिर में होगा आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। किशनगढ़ स्थित श्री निंबार्क पीठ के पीठाधीश्वर अनंत श्री विभूषित जगतगुरु श्री निंबाकाचार्य श्री श्रीजी महाराज श्री श्याम शरण देवाचार्य जी के श्रीमुख से जयपुर में पहली बार श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन श्री गोविंद देव जी के मंदिर स्थित सत्संग भवन में 16 दिसंबर से 22 दिसंबर तक होगा। इसी के साथ अष्टोत्तर शत भागवत पाठ का आयोजन भी होगा। बुधवार को कथा के पोस्टर का विमोचन किया गया। कथा आयोजक ब्रजकिशोर 'बिरजू' गोयल ने बताया कि कथा पूर्व कलश यात्रा 16 को मंदिर श्री आनंद कृष्ण बिहारी चांदनी चौक से दोपहर 12:30 बजे कथा स्थल श्री गोविंद देव जी के मंदिर के लिए प्रस्थान करेगी। इस दिन श्रीमद् भागवत महापुराण महात्म्य और परीक्षित शुकदेव मिलन की कथा होगी। दूसरे दिन 17 दिसंबर को देवहुति कपिल संवाद होगा। इसी प्रकार 18 दिसंबर को ध्रुव चरित्र एवं प्रहलाद चरित्र की कथा होगी। 19 दिसंबर को श्री राम अवतार, श्री कृष्ण जन्म एवं नंद उत्सव का आयोजन होगा। 20 दिसंबर को श्री कृष्ण बाल लीला एवं श्री गिरिराज पूजन का भक्तजन आनंद उठाएंगे। 21 दिसंबर को महारास एवं रुक्मणी मंगल कथा सुनाई जाएगी। 22 दिसंबर को महारास के साथ श्री कृष्ण- सुदामा चरित्र और परीक्षित मोक्ष की कथा होगी। इसी दिन कथा की पूर्णाहुति होगी।

दिल्ली में 17 दिसंबर को धर्म बचाओ-तीर्थ बचाओ आंदोलन के समर्थन में इन्दौर में निकाली वाहन रैली

इंदौर जैन समाज आया सड़कों पर

राजेश दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। मीडिया प्रभारी राजेश दद्दू ने बताया देश के विभिन्न हिस्सों में कुछ असामाजिक तत्वों के द्वारा जैन तीर्थ क्षेत्रों पर अतिक्रमण की घटनाएं निरंतर बढ़ती जा रही है इसके विरोध विश्व जैन संगठन द्वारा राजधानी दिल्ली के रामलीला मैदान में धर्म बचाओ तीर्थ बचाओ आंदोलन की शुरूआत दिनांक 17 दिसंबर रविवार को होने जा रही है। इसके समर्थन में विश्व जैन संगठन इंदौर द्वारा दिनांक 13 दिसंबर बुधवार को वाहन रैली निकाली गई। उक्त जानकारी देते हुए बताया कि यह रैली पश्चिम क्षेत्र कालानी नगर चौराहे से एवं पूर्वी क्षेत्र स्कीम नम्बर 78, उदयनगर से प्रारंभ होकर गांधी प्रतिमा रीगल चौराहे पर समाप्त हुई। जहां पर संगठन के अध्यक्ष मंयक जैन, केसी जैंन, पारस जैन, आकाश जैन, ओम पाटोदी आदि ने समाज जन से 17 दिसंबर को दिल्ली चलने कर कार्यक्रम में शामिल होने का अनुरोध किया। इस रैली को प्रदीप बड़जात्या पुलक जन चेतना मंच, दिगंबर जैन सामाजिक संसद आदि पूरे समाज का समर्थन मिला। इस रैली में हजारों की संख्या में समाजजन उपस्थित थे। मयंक जैन ने शासन प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि जैन तीर्थ गिरनार, खण्ड गिरी उदयगिरी, मंदार गिरी, पालिताना जैसे कई जैन तीर्थ इन दिनों असामाजिक तत्वों के अतिक्रमण के शिकार हो रहे हैं। जिन्हें तुरंत अतिक्रमण मुक्त किया जाए एवं दोषियों को सख्त से सख्त सजा दी जाए ताकि आगे से ऐसे धर्म विरोधी कार्य की पुनरावृत्ति न हो ।ब्रम्हचारी संजय भैया ने कहा सरकार सुरक्षा प्रदान करें ताकि सभी समाज जन अपने तीर्थ पर शांति पुर्ण तरीके से पुजा अर्चना कर सके। इस अवसर पर संगठन के संतोष जैन मामाजी, अभय पाटोदी, राजेश जैन, सौरभ जैन, अंकित जैन लक्की, दिपेश जैन, पारस जैन, श्रेयांस जैन, रौनक जैन, अभिलाष जैन, निर्मल गंगवाल आदि लोग शामिल हुए।

पुलिस लाइन में एक दिवसीय पॉक्सो एक्ट व जेजे एक्ट पर कार्यक्रम का आयोजन

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा स्थानीय पुलिस लाइन में स्पेशल जुवेनाइल पॉक्सो यूनिट सिरसा व डबवाली के लिए एक दिवसीय पोक्सो एक्ट व जेजे एक्ट पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीप्ति गर्ग ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ दर्शना सिंह ने की। एएसपी दीप्ति गर्ग ने बताया कि किशोर न्याय अधिनियम के नियम 86 के तहत स्पेशल जुवेनाइल पॉक्सो यूनिट का प्रावधान है। बच्चों की सुरक्षा व न्याय के लिए जेजेपीयू कार्य कर रही है व बालिकाओं से वार्तालाप के लिए महिला पुलिस कार्य कर रही है। इस कार्यक्रम में एडीए गरिमा व नरेंद्र ने मुख्य वक्ता के रुप में शिरकत की। उन्होंने बताया कि बच्चे की जानकारी गुप्त रखी जाए, पुलिस अधिकारी बच्चों से साधारण कपड़ों में वार्तालाप करे। पैटी व सीरियस क्राइम में 8 वर्ष तक के बच्चों पर एफआइआर नहीं होनी चाहिए, केवल जघन्य अपराध में ही एफआईआर दर्ज करनी चाहिए। इसके अलावा अभियुक्त को पीड़ित बालक के सामने नहीं लाना चाहिए। जिला बाल संरक्षण अधिकारी डॉक्टर गुरप्रीत कौर ने जिला बाल संरक्षण, चाइल्ड वेलफेयर कमेटी, एसजेपीयू के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसी भी गुमशुदा बच्चों को सीडब्ल्यूसी के समक्ष पेश करें, व खोया पाया पोर्टल पर इसकी जानकारी अपलोड करें। गैरकानूनी एडॉप्शन को रोकने के लिए अधिक से अधिक प्रयत्न किए जाने चाहिए, लीगल प्रोबेशन ऑफीसर डा. मोनिका चौधरी द्वारा बच्चों के लिए सोशल बैकग्राउंड फॉर्मेट व एप्रोहैसन मिमो के बारे में तकनीकी रूप से बताया, कि बच्चों को 24 घंटे में जेजे बोर्ड में पेश करना आवश्यक है। इसमें जेजे मेंबर भावना शर्मा, सीबी कौशिक द्वारा जुवेनाइल बोर्ड में आ रही समस्याओं के निवारण के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर चेयरपर्सन अनिता वर्मा, संतोष, प्रदीप तथा सिरसा व डबवाली क्षेत्र के एसजेपीयू के सदस्य मौजूद रहे।

आचार्य श्री सौरभ सागर जी के सानिध्य में मान्यावास में श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन जिनालय का भूमि पूजन आज 15 दिसंबर को

जयपुर. शाबाश इंडिया

इंजीनियर्स कॉलोनी, न्यू सांगानेर रोड़, मान्यावास मानसरोवर, जयपुर में श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन जिनालय का भूमि पूजन 15 दिसंबर को होगा। मंदिर कमेटी के कमल छाबड़ा ने बताया कि इंजीनियर्स कॉलोनी, न्यू सांगानेर रोड़, मान्यावास मानसरोवर, जयपुर में भव्य जिनालय का भूमि पूजन दिनांक 15 दिसंबर शुक्रवार को प्रातः 11:00 बजे पंडित धर्मचन्द शास्त्री अष्टपद के द्वारा करवाया जायेगा। उक्त कार्यक्रम आचार्य श्री सौरभ सागर जी महाराज के सानिध्य में होगा। आचार्य श्री का मंगल प्रवेश आज प्रातः 8 बजे मान्यावास में मनीष छाबड़ा ने बताया कि आचार्य श्री सौरभ सागर जी का इंजीनियर्स कॉलोनी, न्यू सांगानेर रोड़, मान्यावास मानसरोवर, जयपुर में मंगल प्रवेश आज 15 दिसंबर को प्रातः 8 बजे भव्य जुलूस के साथ होगा।

दृष्टि फाउंडेशन के सहयोग से विश्व रिकॉर्ड का प्रयास

उदयपुर. शाबाश इंडिया। वर्ल्ड रिकॉर्ड्स इंडिया आधिकारिक प्रयास के तहत दृष्टि फाउंडेशन के सहयोग से एनआईसीसी, इनरव्हील क्लब ऑफ उदयपुर और सेंट्रल पब्लिक स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में डॉ. दृष्टि (खुशी) छाबड़ा शुक्रवार को सीपीएस स्कूल के 2000 बच्चों पर मेग्निफाईड हीलिंग का उपयोग कर विश्व रिकॉर्ड का दावा पेश करेगी। इस आशय की जानकारी एनआईसीसी की डॉ. स्वीटी छाबड़ा ने गुरुवार को पत्रकार वार्ता के दौरान दी। उन्होंने बताया कि एक ओर जहां डॉ. दृष्टि छाबड़ा द्वारा 100 आदिवासी लड़कियों के साथ कोरिया की तकनीक से प्रेरित होकर स्कैल्प माइक्रो पिग्मेंटेशन में भारत में विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया गया। वहीं दूसरे विश्व रिकॉर्ड के तहत 15 दिसंबर को सीपीएस स्कूल में 2000 बच्चों पर मेग्निफाईड हीलिंग का उपयोग कर विश्व रिकॉर्ड बनेगा। डॉ. दृष्टि (खुशी) छाबड़ा ने बताया कि मैग्नीफाइड हीलिंग अक्सर पांच पंखुड़ियों वाले कमल के फूल के प्रतीकवाद से जुड़ी होती है, जो बुद्ध की शिक्षाओं से प्रेरित पवित्रता, ज्ञान और आध्यात्मिक जागृति का प्रतिनिधित्व करती है। दीक्षा संस्कार आवर्धित हीलिंग का एक हिस्सा है, जो उपचारात्मक ऊर्जा के संचरण की अनुमति देता है। पुष्प अर्क से सहस्त्रार, हृदय और हाथों का दीक्षा समारोह होता है। उन्होंने बताया कि आवर्धित हीलिंग में प्रकाश एक आवश्यक तत्व है, जो दिव्य उपचार ऊर्जा और आध्यात्मिक रोशनी का प्रतीक है। मैग्निफाइड हीलिंग नकारात्मक ऊर्जा और कर्म पैटर्न को मुक्त करने और बदलने में मदद करती है। मैग्नीफाइड हीलिंग शरीर में ऊर्जा केंद्रों को संतुलित और सरेखित करने का काम करती है, जिससे समग्र कल्याण को बढ़ावा मिलता है। रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'